University in News on 31 January 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के छात्र को 14 लाख का पैकेज

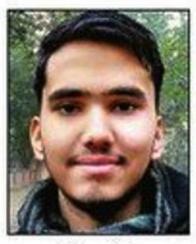

प्रतीक मिश्रा

महमूद अयाज

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र प्रतीक मिश्रा का प्लेसमेंट 14 लाख सालाना के पैकेज पर हुआ है। डेटा डेमोक्रेटाइजेशन कंपनी एटलन टेक्नोलॉजीज ने प्रतीक को साइट रिलायबिलिटी इंजीनियर का पद ऑफर किया है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय व इंजीनियरिंग संकाय के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता ने छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उधर, बीबीएयू के सूचना एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग के वर्ष 2019-20 बैच के परास्नातक छात्र महमूद अयाज का चयन जूनियर लाइब्रेरियन पद पर जम्मू और कश्मीर के संस्कृति विभाग में हुआ है। उनके चयन पर विभागाध्यक्ष प्रो. शिल्पी वर्मा व अन्य शिक्षकों ने बधाई दी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीबीएयू का छात्र बना जूनियर लाइब्रेरियन

लविवि की सुरक्षा में लगे वाकी-टाकी से लैस गार्ड

माई सिटी रिपोर्टर

विवि प्रशासन ने पुख्ता की कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता किया है। इसके लिए विवि के गार्ड्स के साथ ही प्राइवेट एजेंसी से भी गार्ड रखे गए हैं, जो वाकी-टाकी से लैस होंगे। इसका फायदा ये होगा कि ये आपस में संपर्क में रहेंगे और किसी भी आपात स्थिति में जल्द एकत्रित होकर मोर्चा संभाल लेंगे।

विश्वविद्यालय में अभी तक तीन दर्जन अपने गार्ड व कुछ पीआरडी जवान तैनात थे। धीरे-धीरे इनकी संख्या कुछ कम हुई तो विवि प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर करने के लिए श्री सांईनाथ एसोसिएट्स से 80 गार्ड तैनात किए हैं। ये गार्ड वर्दी में ओल्ड कैंपस के सभी प्रमुख गेटों, कुलपति कार्यालय, प्रशासनिक भवन आदि प्रमुख स्थानों पर तैनात हैं। आपस में कम्युनिकेशन के लिए प्राइवेट एजेंसी ने गार्डों को वाकी-टाकी दिया है। यही नहीं किसी भी विपरीत परिस्थिति में ये आपस में मेसेज भी दे सकेंगे। इतना ही नहीं एक गेट से दूसरे गेट के गार्डों के बीच समन्वयक करने में भी आसानी होगी। चीफ प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि वाकीटॉकी से गार्डों में कम्युनिकेशन आसान होगा और हमें भी व्यवस्था बेहतर करने में आसानी होगी। यदि एक गेट से कोई बाहरी व्यक्ति निकला तो उसे दूसरे गेट पर पकड़ा जा सकेगा। यह व्यवस्था न्यू कैंपस में भी प्रभावी होगी।

वाकी-टाकी पर बात करता गार्ड। -संवाद

HINDUSTAN PAGE 5

84 फीसदी छात्र चाह रहे ऑनलाइन परीक्षा

सर्वे

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

कोरोना महामारी का असर सभी क्षेत्रों की तरह शिक्षा पर भी पड़ा हैं। स्कूल, कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। परीक्षाएं स्थगित की जा रही हैं। ऑफलाइन परीक्षाएं हों तो संक्रमण का खतरा और परीक्षाएं स्थगित होती जाएं तो पढ़ाई में पीछे छूटने का डर। यही डर इन दिनों लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी सता रहा है।

कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद पूर्व में 16 जनवरी से प्रस्तावित परीक्षाएं फिर एक फरवरी से प्रस्तावित सेमेस्टर परीक्षाओं को कोरोना की वजह से स्थगित कर दिया गया। अब छात्र लगातार परीक्षाएं एमसीक्यू ऑनलाइन मोड पर परीक्षा कराए जाने की गुहार लगा है। परीक्षाएं किस मोड पर होनी चाहिए इस विषय को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच सोशल साइट पर ऑनलाइन सर्वे कराया गया।

इसमें सिर्फ 24 घंटों में 4358 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी राय रखी। चार बिन्दुओं पर छात्र-छात्राओं इच्छा पूछी गई थी। जिसमें सबसे पहला विकल्प एमसीक्यू आधारित ऑनलाइन परीक्षा के लिए सबसे अधिक 84 फीसदी छात्र-छात्राओं ने अपना वोट दिया। दूसरे स्थान पर एमसीक्यू ऑफलाइन परीक्षा का चयन सात फीसदी, विस्तृत ऑनलाइन परीक्षा का चयन पांच एवं विस्तृत ऑफलाइन परीक्षा का चयन सिर्फ चार फीसदी छात्र-छात्राओं ने किया। छात्र-छात्राओं के लिए ये सर्वे 29 जनवरी रात 8.35 से 30 जनवरी रात 8.35 मिनट तक हुआ।

निर्देश आने पर समिति के सामने मामले को रखेंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि कोरोना महामारी को देखते हुए परीक्षाएं स्थगित की गई है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष एमसीक्यू आधारित परीक्षाएं शासन के निर्देश पर करायी गई थीं। यदि इस वर्ष भी शासन के निर्देश आते हैं परीक्षा समिति के सामने मामला रखा जाएगा। अभी तक पूर्व निर्धारित पद्धति पर ही परीक्षाएं प्रस्तावित हैं।

सम सेमेस्टर की ऑनलाइन कक्षाएं आज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और इससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में सोमवार से सम सेमेस्टर कक्षाएं ऑनलाइन शुरू हो जाएंगी। वहीं एक फरवरी से होने वाली परीक्षाएं फिलहाल स्थगित कर दी गई हैं। उधर भाषा विवि में भी ऑनलाइन कक्षाएं सोमवार से शुरू होंगी और पांच फरवरी से प्रस्तावित परीक्षाओं को लेकर सोमवार को बैठक की जाएगी, जिसमें यह समीक्षा होगी। कार्यवाहक कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि बैठक के बाद ही पांच फरवरी से परीक्षाएं कराने पर निर्णय लिया जाएगा।

NBT PAGE 6

एलयू : प्रतीक को अब तक का सबसे बड़ा पैकेज

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विवि में इंजिनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस स्टूडेंट प्रतीक मिश्रा को कैंपस प्लेसमेंट में अब तक के सबसे बड़े पैकेज का ऑफर मिला है। उन्हें एक सॉफ्टवेयर कंपनी ने साइट रिलायबिलिटी इंजिनियर के जॉब ऑफर के साथ 14 लाख रुपये के सालाना पैकेज की पेशकश दी है। प्रतीक के पिता पीएन मिश्रा सेना से सेवानिवृत्त होकर इंडियन आयल में कार्यरत हैं और मम्मी प्रमिता मिश्रा गृहणी हैं। इस चयन पर वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और इंजिनियरिंग संकाय के इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता समेत ने प्रतीक को बधाई दी है। फिलहाल इस सत्र में इंजिनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों को अब तक 234 जॉब ऑफर मिले हैं।

PIONEER PAGE 3

एलयू इंजीनियरिंग संकाय के छात्र को मिला 14 लाख रुपए का पैकेज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के छात्र प्रतीक मिश्रा का 14 लाख रुपए प्रतिवर्ष के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ है। प्रतीक यहां कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र हैं। उन्हें डाटा डेमोक्रेटाईजेशन कम्पनीए एटलन टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड में साइट रिलायबिलिटी इंजीनियर का पद ऑफर किया गया है।

i-NEXT PAGE 2

श्रमिक महिलाओं पर शोध करेगा एलयू

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (30 Jan): राज्य सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत मिले एक प्रोजेक्ट में लखनऊ यूनिवर्सिटी कृषि क्षेत्र में काम करने वाली श्रमिक महिलाओं पर शोध करेगा. शोध का उद्देश्य कृषि श्रमिक महिलाओं की आर्थिक स्थिति, उनकी समस्याओं, रहन-सहन इत्यादि का अध्ययन करके समस्याओं के समाधान तलाशना है. यह शोध यूनिवर्सिटी के अप्लाइड इकोनॉमिक्स विभाग के शिक्षक प्रो. बिमल जायसवाल व उनकी टीम करेगी. शोध के लिए तीन लाख 30 हजार रुपए का अनुदान स्वीकृत हुआ है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी को राज्य सरकार की ओर से मिला है प्रोजेक्ट

कई जिलों में होगा रिसर्च

प्रो. बिमल जायसवाल ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में लखनऊ, पीलीभीत, खीरी सहित कई जिलों में कृषि क्षेत्र में काम करने वाली श्रमिक महिलाओं पर अध्ययन किया जाएगा. इसमें उनकी आर्थिक स्थिति, समस्याएं, रहन-सहन सहित जैसे बिन्दुओं को शामिल किया जाएगा. यह भी देखा जाएगा कि प्रदेश के अनुसार कृषि का स्ट्रक्चर क्या है और इसमें श्रमिक महिलाओं के रोजगार की क्या स्थिति है. उन्हें कितनी मजदूरी मिलती है, कितने घंटे काम करती हैं, पुरुष श्रमिकों के मुकाबले उन्हें कम मजदूरी मिल रही है या बराबर.

JAGRAN CITY PAGE I

शोध लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग ने डा. बीआर अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से पाई सफलता

डिवाइस बताएगी वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रयोगशाला में डिवाइस के लिए पोरस (छिद्र युक्त) नैनोकम्पोजिट ग्लास तैयार किया गया ● सौ. लवि

अखिल सक्सेना ● लखनऊ

अब वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड (सीओटू) की मात्रा का पता लगाना आसान होगा। लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम ने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के सहयोग से पोरस (छिद्र युक्त) नैनोकंपोजिट ग्लास से निर्मित सेंसिंग डिवाइस विकसित की है, जो कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा बताएगी। खास बात यह है कि जिस पोरस ग्लास का उपयोग इसमें किया गया है, वह साधारण ताप के साथ निम्न व उच्च तापमान पर भी काम करेगा।

डा. सीआर गौतम वर्ष 2019 से पोरस ग्लास व सेंसर डिवाइस पर काम कर रहे हैं। वह बताते हैं कि इस शोध कार्य में शोधार्थी जायरीन, सर्वेश, श्वेता के साथ बीबीएयू के प्रोफेसर बाल चंद्र यादव व उनके शोधार्थी अजीत सिंह ने सहयोग किया। डा. गौतम बताते हैं कि आम तौर पर ग्लास विभिन्न प्रकार के होते हैं। इन वर्गों में अलग-अलग रंग के साथ-साथ विभिन्न भौतिक एवं रासायनिक गुण होते हैं।

ग्लास की खासियत : सबसे पहले भौतिक विज्ञान विभाग की ग्लास सिरेमिक रिसर्च प्रयोगशाला में गहरे रंग का यह नैनोकंपोजिट छिद्रयुक्त ग्लास तैयार किया गया। जिसे कम लागत में मल्ट क्वैंच विधि से बनाया गया है। इसका गहरा रंग ग्लास में मौजूद घटकों पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए पोरस ग्लास में मूल रूप से उपस्थित वैनेडियम पेंटाक्साइड (वीटू05) और फास्फोरस पेंटाक्साइड (पीटू05) इस गहरे रंग का कारण हैं।

जागरण विशेष

लवि के भौतिक विज्ञान विभाग की प्रयोगशाला में इस तरह से किया गया गैस सेंसिंग पर शोध ● सौ. लवि

कुछ सेकेंड में मिलेगा परिणाम : शोध के दौरान इथेनाल, एसिटोन, एलपीजी और कार्बन डाइआक्साइड की सेंसिंग कर परीक्षण किया गया। सबसे अधिक अच्छा रिस्पांस टाइम कार्बन डाइआक्साइड में देखने को मिला। इसमें मात्र 22.6 सेकेंड में सेंसिंग का परिणाम आ गया और इस डिवाइस का सेंसिंग रेस्पांस 3.05 है, जो अन्य सेंसर की तुलना में बेहतर है। उसके बाद एलपीजी की सेंसिग रही। इस डिवाइस का उपयोग तीन से चार बार आसानी से किया जा सकता है। डा. सीआर गौतम के मुताबिक अभी लैब में प्रयोग के लिए बड़ी डिवाइस का सेटअप बनाकर प्रयोग किया गया है। आने वाले समय में कुछ और शोध किए जाएंगे, जिससे की इन पदार्थों को एक उत्कृष्ट डिवाइस के रूप में विकसित किया जा सकेगा। पेटेंट के बाद इसे कोई भी कंपनी छोटे रूप में बनाएगी, जिसका प्रयोग आसानी से किया जा सकेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय करेगा कृषि श्रमिक महिलाओं पर शोध

लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही प्रदेश में कृषि क्षेत्र में काम करने वाली श्रमिक महिलाओं पर शोध करेगा। आर्थिक स्थिति, समस्याएं, रहन-सहन सहित उनके विकास की संभावनाओं पर अध्ययन किया जाएगा। राज्य सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत इसके लिए विश्वविद्यालय के एप्लाइड इकोनामिक्स विभाग के शिक्षक प्रोफेसर बिमल जायसवाल को शोध प्रोजेक्ट मिला है। इस के लिए 3.30 लाख का अनुदान भी स्वीकृत किया गया है।

प्रो. जायसवाल ने बताया कि प्रदेश में सामाजिक आर्थिक समस्याओं और महिला कृषि श्रम की संभावनाओं का अध्ययन विषय पर प्रोजेक्ट मिला है। इसमें लखनऊ, पीलीभीत, खीरी सहित कई जिलों में कृषि क्षेत्र की श्रमिक महिलाओं पर अध्ययन किया जाएगा। यह भी देखा जाएगा कि प्रदेश के अनुसार यहां की कृषि संरचना क्या है। इन श्रमिक महिलाओं के रोजगार की क्या स्थिति है। कितनी मजदूरी मिलती है। क्योंकि लाक डाउन के बाद कृषि क्षेत्र में श्रमिक बढ़े हैं। इसलिए महिला श्रमिकों की सामाजिक आर्थिक स्थिति का अध्ययन किया जाएगा।

THE PIONEER PAGE 3

LU TO CONDUCT WETLAND SURVEY

Lucknow University is sending 10 cars for survey of wetlands on World Wetland Day on February 2. Amita Kanaujia from the LU zoology department said that the mission was to identify, document and survey unprotected wetlands. "The MSC students of Lucknow University and research scholars have been involved in the survey. There are a total of 25 candidates and there will be10 3member teams of with one team leader," she added. She said that retired PCCF Wildlife Mohammed Ehsan was also participating in the survey. "The Teams will survey and document and later present their report. That report will be compiled and sent to UPSBB, NBA and Forest department for conservation. The areas which will be covered are Rai Bareli, Unnao, Kanpur, Barabanki, Lucknow, Hardoi, Sitapur, Kannauj, Sultanpur and Gonda," she said.